Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Article

माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययनरत शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव के संबंध में अध्ययन

सत्येंद्र पाल सिंह [1*], धर्मेन्द्र कुमार [2]

[1] शोधार्थी, विश्वविद्यालय, एम. जे. पी. रोहिलखंड विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, भारत

[2] शोध निदेशक, विश्वविद्यालय, एम. जे. पी. रोहिलखंड विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author: *सत्येंद्र पाल सिंह

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.19125851

सारांश

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का आधार है। माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अनेक कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति छात्रों के सीखने की प्रक्रिया और उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन करना है। इस अध्ययन में सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया। अध्ययन के लिए *100* छात्रों और *20* शिक्षकों का चयन किया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2584-184X
- **Received:** 02-01-2026
- **Accepted:** 26-02-2026
- **Published:** 20-03-2026
- **MRR:**4(3); 2026: 273-275
- **©2026, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

सत्येंद्र पाल सिंह , धर्मेन्द्र कुमार. डिजिटल कम्युनिकेशन स्किल फॉर लीडर्स एंड टीम्स. इंडियन जर्नल ऑफ मॉडर्न रिसर्च रिव्यू. 2026;4(3):273-275.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्द: शिक्षण अभिवृत्ति, शैक्षिक उपलब्धि, माध्यमिक शिक्षा, शिक्षक, शिक्षा गुणवत्ता।

© 2026 सत्येंद्र पाल सिंह, धर्मेन्द्र कुमार. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

1-प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन के विकास का महत्वपूर्ण साधन है। यह व्यक्ति के बौद्धिक, सामाजिक और नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करता है।

विद्यालय शिक्षा प्रणाली का प्रमुख अंग है जहाँ शिक्षक और छात्र के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान होता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं होता बल्कि वह छात्रों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत भी होता है।

माध्यमिक स्तर की शिक्षा छात्रों के जीवन की एक महत्वपूर्ण स्तर है। इस स्तर पर छात्रों की बौद्धिक क्षमता और व्यक्तित्व का विकास होता है। इसलिए इस स्तर पर शिक्षक की शिक्षण अभिवृत्ति का प्रभाव छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है।

2-अध्ययन की आवश्यकता

वर्तमान समय में शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यदि शिक्षक अपने कार्य के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं तो वे छात्रों को प्रेरित करते हैं और उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाते हैं। इसके विपरीत यदि शिक्षक की अभिवृत्ति नकारात्मक होती है तो यह छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित कर सकती है। इसलिए शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक है।

3. समस्यात्मक कथन

"माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययनरत शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव के संबंध में अध्ययन।"

4. अध्ययन के उद्देश्य-

- माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंधों का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षको की सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति के प्रभाव का विश्लेषण करना।

5. परिकल्पनाएँ

माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति वाले शिक्षकों के शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक होती है।

6. साहित्य अध्ययन की समीक्षा

1.Bandura (1997) के अनुसार शिक्षक का आत्म-विश्वास और दृष्टिकोण छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है।

2.Sharma (2015) के अध्ययन में पाया गया कि सकारात्मक शिक्षण अभिवृत्ति छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाती है।

3.Kumar (2018) ने अपने अध्ययन में बताया कि शिक्षक की प्रेरणा और शिक्षण शैली छात्रों के सीखने के परिणामों को प्रभावित करती है।

7. अनुसंधान की विधि- सर्वेक्षण पद्धति

नमूना- 20 शिक्षक, 100 छात्र

उपकरण- शिक्षण अभिवृत्ति मापनी. प्रश्नावली, परीक्षा परिणाम

डाटा संग्रहण- माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षार्थियों से प्रश्नावली तथा परीक्षा परिणामों के माध्यम से डेटा एकत्रित किया गया।

8. डाटा विश्लेषण

संग्रहित आंकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से किया गया।

समान्तर माध्य

मानक विचलन

टी-टैस्ट

इन विधियों के माध्यम से माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति और अध्ययनरत शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध का विश्लेषण किया गया।

9. खोज

सकारात्मक अभिवृत्ति वाले शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाती है।

शिक्षकों के प्रेरित करने से शिक्षार्थियों में सीखने की रुचि विकसित करते हैं।

सकारात्मक कक्षा वातावरण शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

10. सुझाव

शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

नवीन शिक्षण विधियों को शिक्षण संस्थानों में अपनाया जाना चाहिए।

माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक शिक्षण वातावरण विकसित किया जाना चाहिए।

11.निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षकों की शिक्षण अभिवृत्ति छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती है। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले शिक्षक छात्रों को प्रेरित करते हैं और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं।

संदर्भ सूची

1. Bandura, A. Self-efficacy: The exercise of control. 1997.

© 2026 सत्येंद्र पाल सिंह, धर्मेन्द्र कुमार. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

2. Sharma R. Teaching attitude and academic achievement. 2015.
3. Kumar S. Role of teachers in student achievement. 2018.
4. NCERT. Research reports.

Creative Commons License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–NonCommercial–NoDerivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) License. This license permits users to copy and redistribute the material in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and the source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted.

© 2026 सत्येंद्र पाल सिंह, धर्मेन्द्र कुमार. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/